

पत्रावली सं. 509 सी०
 पत्रांक 145
 दिनांक 11/12/08
 अग्रिम दिनांक

17

संख्या: 873 / 111(2)/08-52(एमओएलओएओ)/08

प्राप्ति सं. 1512
 कार्य सं. 12 AC
 दिनांक 8-4-09

प्रदीप सिंह रावत,
 उप सचिव,
 उत्तराखण्ड शासन।

सेवा

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
 लोक निर्माण विभाग,
 देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 02 मार्च, 2009।

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत जनपद नैनीताल के विभिन्न कार्यों की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता कुमायूँ क्षेत्र लो0गि0वि0 अल्मोड़ा द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत उपलब्ध कराये गये 03 कार्यों के रू0 735.00 लाख की लागत के आगणन पर टी.ए.सी. वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी रू0 35.00 लाख (रुपये सात करोड़ पैंतीस लाख मात्र) की लागत के आगणन की उनके सम्मुख अंकित संलग्न विवरणानुसार प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए कार्य प्रारम्भ करने हेतु प्रत्येक कार्य के लिये उनके सम्मुख कॉलम-06 में अंकित विवरणानुसार कुल रू0 0.75 लाख (रू0 पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि की वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में व्यय करने की भी श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहमति स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव में जो गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व वन भूमि एवं निजी भूमि आदि की कार्यवाही की जाय, तथा भूमि का भुगतान नियमानुसार प्रथम वरियता के आधार पर किया जाय एवं भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कर कब्जा प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जाय।

3. कार्य कराने से पूर्व निरतृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय। कार्य प्रारम्भ किये जाने से पूर्व शासनादेश सं0: 4042/111(2)/08-24 व 25/08 दिनांक 11 दिसम्बर, 2008 के द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

प्रति 11/4/09 Photo copy
 Attested

प्रति 15/12/08 ACdt 21-5-09
 प्रति 0 एडमि0 अम0 (111) को सूचनाएं व
 आ/क देव
 प्रति (कडीप) कानि0 अमि0 (क)
 प्रति (कडीप) कानि0 अमि0 (क)

-2-

5. एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियम तार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रवर्तित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भूगर्व के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाय।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
9. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
10. यदि उक्त कार्यों में से किसी कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के बजट से अथवा अन्य विभागीय बजट से कोई धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है तो उस योजना हेतु इस धनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण न करके धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
11. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट गैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियम तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक-31.03.09 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जाय। कार्य कराते समय उत्तराखण्ड अधिनियम नियमावली 2008 नियमों का भी अनुपालन किया जाय।
12. आगामी किस्त तब ही अवमुक्त की जायेगी जब स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जाय। उक्त विवरण प्रस्तुत किये जाने के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
13. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
14. इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में समाज कल्याण विभाग के अनुदान रा0-30-लेखाशीर्षक-5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परियोजना जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-02 अनुसूचित जातियों के लिए विशेष कम्पोनेन्ट प्लान-02 तथा निर्माण कार्य-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

photo copy
Attested

Dr. J. K. Singh

Attested
विभागीय प्रमुख, लोक निर्माण विभाग

-3-

6. यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या- 136/XXVII(2) / 2008 दिनांक 01 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

प्रदीप सिंह रावत

(प्रदीप सिंह रावत)

उप सचिव

सं. :- 67-3 (1) / 111(2) / 08-52(एम0एल0ए0) / 08, तददिनांक ।

प्रति निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स विल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त कुमायू गण्डल, नैनीताल।
3. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी जनपद नैनीताल।
4. मुख्य अभियन्ता, कुमायू क्षेत्र, लो.नि.वि., अल्मोडा।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग 2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
8. अधीक्षण अभियन्ता, द्वितीय वृत्त लो0नि0वि0 नैनीताल।
9. लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन।
10. गाई बुक।

आज्ञा से,

Photo Copy
Attested.

[Signature]

उप सचिव, लो. नि. वि.
नैनीताल.

(प्रदीप सिंह रावत)

उप सचिव

शाहदेव रां०

Photo copy attached
(1) - 11/12/12

photo copy
needed

प्रदीप
(प्रदीप सिंह रावत)
उपसचिव

सहस्रक निमाण
खण्डम निमाण
मुद्रा निमाण
लोक निमाण
वेष्टादन

1341

120 दात० (७) / ०९

① 4/8/07

20/12/2019

[illegible]

13

2. 702 / 10/10/10

3

215

A circular library stamp from the National Library, Calcutta. The text "National Library" is at the top, "Calcutta" is at the bottom, and "0 MAR 1964" is in the center. There is a star on the right side of the stamp. The stamp is partially obscured by a vertical line and some handwritten marks.

2017/2
2017/2

16/12/2017
 11/12-
 स. न. मुख्य अभियंता स्तर-I
 लोक निर्माण विभाग
 4/3/88

मुख्य अभियन्ता,
क्र० से०, लोक निर्माण विभाग,
मन्सादा

प्र.० पत्र सो.ली १०२/४३० प्रा.ग (२) - ७००९

Date 23/3/19

नमस्ते नमो भगवते वासुदेवाय
१) कतिपयिष आचरिष्यन्त आभिषेक द्वितीय एव लीं ठिं विं न-निताल
न-निताल, की उपरीन्तानुसार रचनात्मक एवं साधनेमक कार्यवाई
है

② अक्षां (2) [मध्य] एकीकृत वर्ग

2. 12/20/2009

8. T.O

28/3/09